ओ३म्

माता धुन्धा देवी

जन्मः- 2 जनवरी सन् 1915 प्रयाणः- 22 अप्रैल सन् 1979

संक्षिप्त जीवन परिचय

माता धुन्धा देवी सुपुत्री चौ. गुरदयाल सिंह घणघस गाँव सुलेहड़ा का विवाह महाशय श्रीचन्द के साथ हुआ। इनका जन्म 2 जनवरी सन् 1915 को हुआ। यद्यपि महाशय जी वेदों के अनुगामी, ईमानदार, त्यागी तथा महान व्यक्तित्व से ओतप्रोत कर्मयोगी थे लेकिन उनके जीवन-वृत्त की सफलता का श्रेय सौम्यता की निधि , कर्त्तव्यपरायणा, परिश्रमी, उनकी धर्मपत्नी धुन्धा देवी को जाता है, जो ''स्वर्ग नहीं कर्मक्षेत्र दीजिये'' की पालनहार थी। अपनी सन्तति को संस्कारित व सुशिक्षित करने में सहयोगी इस महती नारी का 22 अप्रैल सन् 1979 को स्वर्गवास को गया। उन्हें कोटिशः नमन